An Initiative of CollCom

collcom
Empowering Youth through Community Service

ISSN: 2583-9969

Vol 10, Issue September 2023

CYBER संस्कार

साइबर अपराध के खिलाफ एक कदम

नवरात्रि
स्पेशल एडिशन

Google का झूठ

प्रीतेश मिश्रा
डॉ गौरव कुमार

Google Search Engine Scam!

साइबर संस्कार : Google Search Engine Scam!

प्रीतेश मिश्रा, डॉ गौरव कुमार

प्रकाशक : कॉलकम

1043/2, मेहरावाली अपार्टमेंट,
महरौली नई दिल्ली, 110030, भारत

संपर्क: +91 -9868189955

ईमेल: pr@collcom.org

वेबसाइट: www.collcom.org

© कॉलकम

प्रथम संस्करण : सितम्बर 2023

मूल्य : ₹ 49

मुद्रक : कॉलकम, इंडिया

ISSN : 2583-9969

विषय-सूची

Google Search Engine Scam !

- परिचय
- फ्रॉड के विभिन्न तरीके
- सच्ची घटनाओं के माध्यम से फ्रॉड को समझना
- बचने के उपाय और सत्यता की जांच के तरीके
- फ्रॉड होने पर शिकायत कहाँ करे ?

'Google Search' करना पड़ सकता है भारी

WARNING

गूगल पर कूरियर सर्विस सर्च कर रहे हैं तो सावधान, हो सकते हैं ठगी के शिकार, 16 साइबर क्रिमिनल्स अरेस्ट

साइबर थाना द्वारा बताया गया कि पकड़े गये आरोपियों द्वारा गूगल सर्च इंजन पर कूरियर सर्विस व कस्टमर केयर हेल्पलाइन सर्विस का विज्ञापन चलाकर झांसे में लिया जाता था और सर्व लिंक भेजकर बैंक डिटेल्स ले...

By Prabhat khabar Digital | Updated Date 11th May 2023 at 8:55 PM

Hindi News › पैसा › गैजेट › Noida Online Fraud: Google पर सर्च किया ये नंबर और कॉल मिलाते ही अकाउंट से उड़ गए 8 लाख रुपये, आप न क

Noida Online Fraud: Google पर सर्च किया ये नंबर और कॉल मिलाते ही अकाउंट से उड़ गए 8 लाख रुपये, आप न करें ये गलती

नोएडा से ऑनलाइन ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दंपति ने गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया और उस पर कॉल मिलाई। थोड़ी देर बाद पीड़ित को मैसेज आया कि उसके अकाउंट से 8 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ है।

Follow us on Google News

abp न्यूज़ | टीवी | ABP शॉर्ट्स | वीडियो | पॉडकास्ट | गेम्स

होम | वीडियो | भारत | क्रिकेट | IDEAS OF INDIA | वेब स्टोरी | मनोरंजन | खेल | ऐस्ट्रो | बिजनेस | राज्य | अनकट | अन्य | Select Language

अमेजन में नौकरी देने के नाम पर 11,000 लोगों को ठगा... क्या आपको भी मिला वर्क फ्रॉम होम का ऑफर?

पुलिस ने न्यूज एजेंसी को बताया कि उनकी जांच के समय, उन्होंने पाया कि चीनी साइबर अपराधियों ने उन लोगों को धोखा देने के लिए एक मॉड्यूल बनाया, जो वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम जॉब ढूंढ रहे हैं.

By: ABP Live | Updated at : 29 Jan 2023 09:28 PM (IST)

यह भी पढ़ें

CYBER CRIME

Beware of Google Search Fraud, Aligarh Man Loses Rs 2 Lakh While Searching For Loan Options

Published 3 years ago on November 7, 2020
By The420

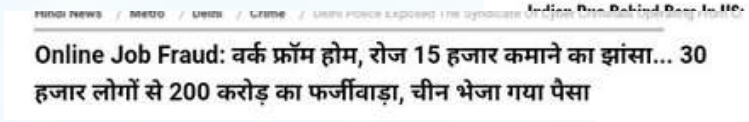

Hindi News / Metro / Delhi / Crime

Online Job Fraud: वर्क फ्रॉम होम, रोज 15 हजार कमाने का झांसा... 30 हजार लोगों से 200 करोड़ का फर्जीवाड़ा, चीन भेजा गया पैसा

amarujala.com

THE TIMES OF INDIA | OPEN APP

NEWS | EXPLAINERS | VIDEOS | CITY | INDIA

TRENDING | Bangalore Bandh | Hanging Garden

This story is from March 23, 2023

CITY

Google Search Scam: 3 Lose Rs 10 Lakh In A Day In Panchkula

Arvind Bishnoi | TNN | Mar 23, 2023, 06:59 IST

अमर उजाला | एप डाउनलोड करें

होम | देश | शहर और राज्य | चुनाव 2023 | मनोरंजन | ज्योतिष | दुनिया | नौकरी | शिक्षा | टेक्नॉलॉजी

Fake Job: म्यांमार में जॉब स्कैम में फंसे सैकड़ों युवा, दी जा रहीं यातनाएं, चंगुल से छूटे आशीष ने सुनाई आपबीती

News / Cities / Mumbai / Mumbai businessman trying to buy sweets online for Ganpati loses Rs 1.38 lakh to cyber fraudsters

Mumbai businessman trying to buy sweets online for Ganpati loses Rs 1.38 lakh to cyber fraudsters

The police have also written to service providers to get details of the mobile numbers, bank accounts and UPI IDs used in the crime.

होम | वेब स्टोरीज | देश | प्रदेश | दुनिया | क्रिकेट | OPINION | मनोरंजन | कालचक्र | बिजनेस | MORE

HOME / गैजेट्स

SEPTEMBER 6, 2023

Google Search करना पड़ा भारी, मिनटों में उड़ गए 63 हजार रुपये! जानिए क्या हुई गलती?

Searching For 'Facebook Customer Service' Can Lead To A Scam

SPECIAL REPORT

GOOGLE SEARCH ENGINE SCAM!

Google पर प्रतिदिन 3.5 बिलियन से अधिक सर्च किया जाता है, और इसी के साथ यह वैश्विक बाज़ार के 91% से अधिक हिस्से पर नियंत्रण रखता है।

Source: Internet Live Stats, Statista

वर्तमान समय में दुनिया भर में लगभग **दस में से नौ उपयोगकर्ता इंटरनेट पर** जानकारी खोजने के लिए **Google** का उपयोग करते हैं और उस पर **आँख बंद कर भरोसा** भी कर लेते हैं, जिसका फायदा अब साइबर ठगी उठा रहें हैं।

Source: Websiterating

इस मैगज़ीन में हम वर्तमान में **Google सर्च के माध्यम से हो रहे साइबर स्कैम** के तरीकों और बचने के उपाय के बारे में समझने का प्रयत्न करेंगे।

क्या है गूगल का झूठ ?

गूगल के झूठ से तात्पर्य यह है की जब आप कोई भी सर्विसेज जैसे **कस्टमर केयर नंबर, हेल्प लाइन नंबर, वर्क फ्रॉम होम जॉब, कैश-बैक ऑफर, डाउनलोड फ्री सॉफ्टवेयर** जैसी जानकारी गूगल पर सर्च करते हैं तो उसकी सही जानकारी अक्सर गूगल में शीर्ष (Top) स्थान की जगह निचे दिखाई जाती है। गूगल सर्च में शीर्ष (पहले या दूसरे या तीसरे) स्थान पर **अक्सर विज्ञापन की जानकारी** दिखाई जाती है जो आपके ढूंढें गए सर्विस से सम्बंधित होता है। साइबर स्कैमर्स **झूठा विज्ञापन** (जो की सही जानकारी से बिल्कुल मिलता-जुलता सा दिखता है) को **गूगल सर्च इंजन पर दिखाकर आप से ठगी करने** का प्रयास करते हैं।

कई बार तो स्कैमर्स अपनी **फेक वेबसाइट या एप्लीकेश**न बनाकर **सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) तकनीक** का इस्तेमाल करके **Google पर सबसे टॉप में दिखाकर** ठगी को अंजाम देते हैं।

GOOGLE SEARCH SCAM के विभिन्न तरीके

1 Searching Work From Home Job

अगर हम **Google** सर्च करे तो हमें सैंकड़ों websites दिखेंगी जो **वर्क फ्रॉम फ्रॉम होम जॉब या पार्ट टाइम जॉब देने** का वादा करती हैं जहाँ आप हम घर बैठे-बैठे हर दिन 3000 -8000/- Rs तक बहुत आसानी से कमा सकते हैं। अक्सर ऐसा नहीं होता है, **ये एक हनी ट्रैप होता है** जिसमे भोले- भाले अनजान लोग, जो शार्ट-कट में ज्यादा पैसा कमाने की इच्छा रखते हैं वो साइबर स्कैमर के जाल में फस जाते हैं और फिर ठगी का शिकार बन जाते हैं।

निचे दिखाए गए **स्क्रीन शॉट्स उदाहरण** के तौर पर बताये गए हैं।

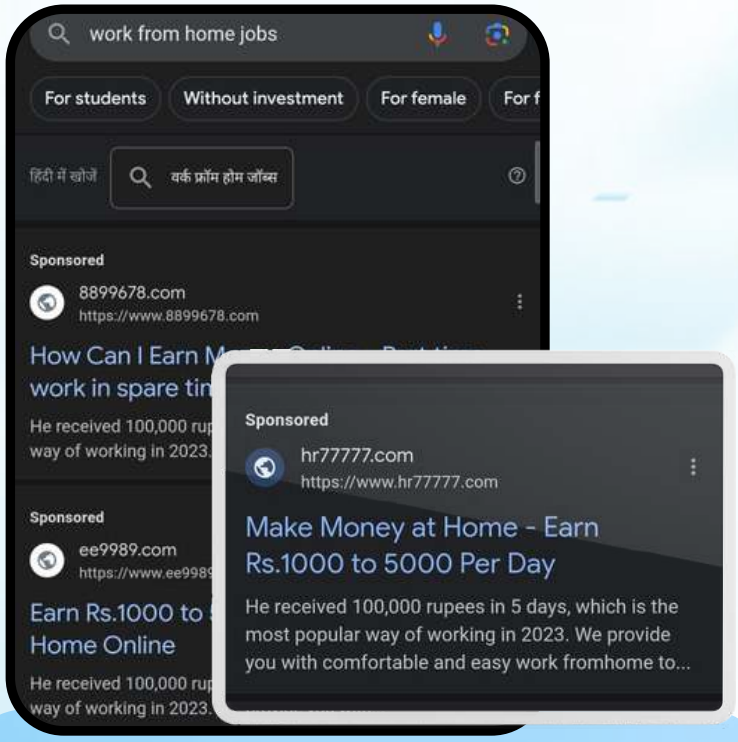

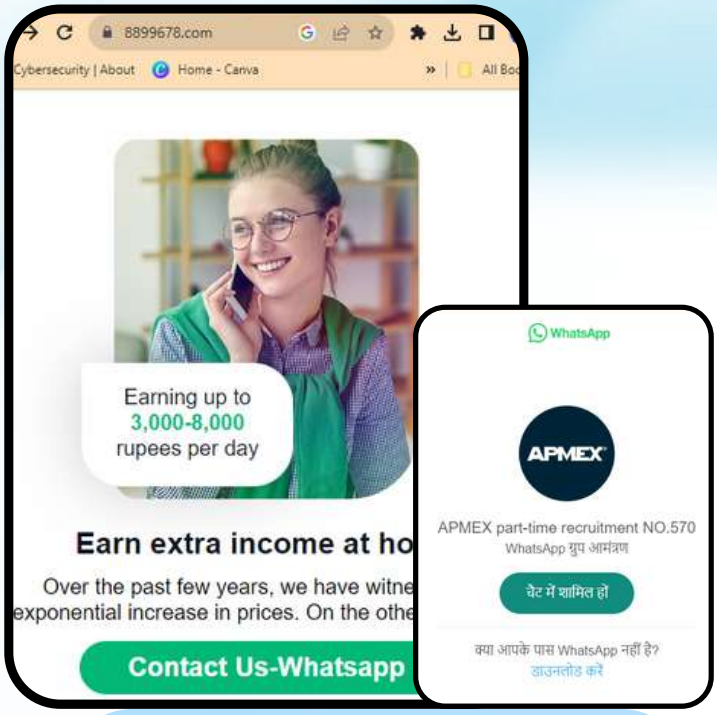

1. जब हम Google पर वर्क-फ्रॉम-होम जॉब सर्च करते है तो हमारे सामने **कुछ इस तरह के परिणाम** देखने को मिलते हैं (शुरुवात के दिखाए गए पहले तीन **लिंक अक्सर विज्ञापन** का होता हैं, जो वर्क-फ्रॉम-होम जॉब से संबंधित होता हैं, दिखाए गए विज्ञापन समय के साथ बदलते रहता है) और हम उनमें से किसी एक लिंक पर क्लिक करते है ।

2. तो **एक वेबसाइट** खुल जाती हैं या हमे व्हाट्सएप **से ग्रुप में जोड़ने का ऑप्शन** दिया जाता हैं।

आज के इस टेक्नोलॉजी युग में वेबसाइट को सुन्दर और आकर्षित बनाना बहुत ही आसान हो गया है, जो देखने में बिल्कुल ऑथेंटिक सा लगता है, जिसका साइबर स्कैमर्स बखूबी फ़ायदा उठा रहे हैं। अक्सर इस तरह के वेबसाइट साइबर स्कैमर्स के द्वारा एक सोची समझी जाल होती हैं। जब हम एक बार उस वेबसाइट के माध्यम से अपनी जानकारी शेयर करते है, तो हम स्कैमर के ट्रैप में फसते चले जाते हैं।

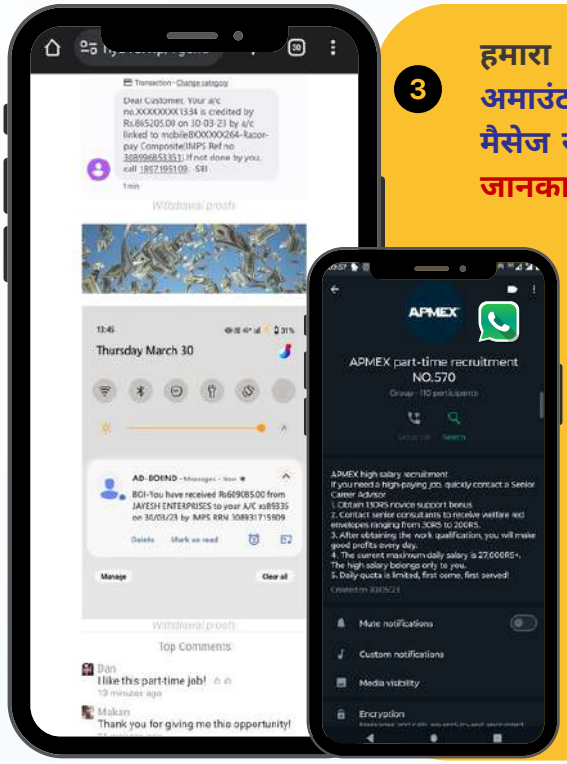

3 हमारा भरोसा और विश्वास जितने के लिए वेबसाइट या व्हाट्सएप पर कुछ चेक अमाउंट का स्क्रीन शॉट्स, बैंक अकाउंट स्टेटमेंट स्क्रीनशॉटस, अमाउंट ट्रांसक्शन्स मैसेज स्क्रीन शॉटस, कस्टमर्स के reviews दिखाए जाते हैं, अक्सर ये दिखाई गयी जानकारियाँ फेक होती हैं।

4 व्हाट्सएप ग्रुप में साइबर स्कैमर्स अलग-अलग फेक कस्टमर बन कर ग्रुप में जुड़े होते हैं, जो अनजान नये कस्टमर का भरोसा जितने के लिए अपने बैंक अकाउंट में पैसा क्रेडिट होने का स्क्रीन शॉट्स समय-समय पर ग्रुप में शेयर करते रहते हैं। साथ ही विभिन्न तरह के प्रश्न जैसे सैलरी नहीं मिला इत्यादि, स्कैमर पिछले हफ्ते का एचीवमेंट्स का आपस में सवाल और जवाब एक दूसरे से करते रहते हैं ताकि नए जुड़े कस्टमर का विश्वास इस पूरे प्रक्रिया में शंका से मुक्त हो जाये।

5 जब हम इनके बिछाये गए जाल में फ़स जाते हैं तो हम अपनी जीवन भर की कमाई एक झटके में गवां देते हैं।

अतः किसी भी अज्ञात जॉब देने वाली वेबसाइट के लिंक को क्लिक करने से पूर्व दस बार सोचे, अन्यथा अगला शिकार आप भी हो सकते है।

जानकार बने, सतर्क रहे।

2 Searching Courier Help Line Number

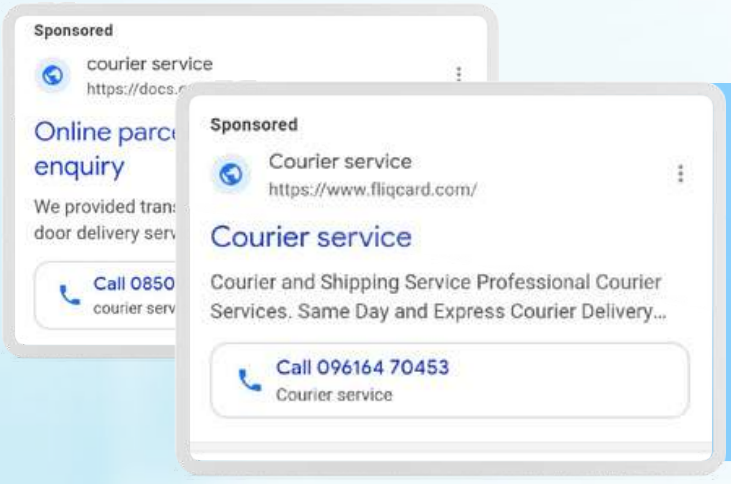

कई बार जब हम ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट/एप्प्स से कुछ शॉपिंग करते है, और पार्सल की डिलीवरी समय से नहीं हो पाती है तो हम **जल्दबाजी में Google पर कूरियर सर्विस का नंबर ढूढते है** और हमे कुछ इस तरह के परिणाम दिखाई देता है जैसा की स्क्रीन शॉट्स में दिखाया गया है - (अक्सर विज्ञापन (Ad Sponsored) के माध्यम से दी गयी जानकारी (वेबसाइट लिंक या हेल्पलाइन नंबर) साइबर स्कैमर्स के द्वारा बिछाई गयी एक चाल होती हैं।)

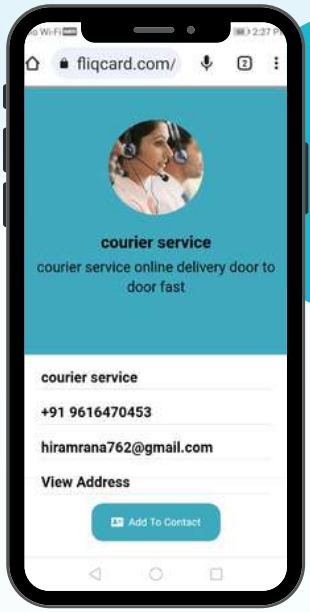

बिना सोचे समझे हम दिखाई गयी पहली वेबसाइट पर क्लिक करते है या दिए गए नंबर पर कॉल करते है तो स्कैमर हमारे द्वारा ही दी गयी जानकारी के अनुसार अपने आप को कस्टमर एग्जीक्यूटिव टेकनीशियन बताते हुए समस्या का समाधान करने का एक जाल बिछाता है। जिसके परिणामस्वरूप उनके बताये गए दिशा निर्देशों का पालन करके हम अपनी व्यक्तिगत व बैंकिंग जानकारी स्कैमर से शेयर कर देते है और हम ठगी के शिकार बन जाते है।

हमेशा ध्यान रखे की जिस भी ऑनलाइन वेबसाइट/एप्लिकेशन से हम शॉपिंग करते है उसी वेबसाइट में दिए गए कस्टमर केयर के ईमेल या नंबर पर कॉल करे। गूगल सर्च से कस्टमर हेल्पलाइन नंबर नहीं ढूंढें।

जानकार बने, सतर्क रहें ।

3 Searching For Loan Options

जीवन में कभी-कभी ऐसा समय आता है जब हम अपनी आवश्यकताओं/जरूरतों को सैलरी से पूरी नही कर पाते है। इस परिस्थिति से निपटने के लिए कई बार लोन लेने की नौबत आ जाती है। परंतु जब हम तुरंत लोन लेने के लिए किसी अच्छी कंपनी की तलाश में **Google Search** का सहारा लेते है तो **सही कंपनी और फेक कंपनी में अंतर नही कर पाते** है (सही और गलत में अंतर समझना सामान्य व्यक्ति के लिए थोड़ा मुश्किल होता है)।

जब हम Google सर्च के द्वारा खोजे गए कंपनी के दिशा निर्देश को फॉलो करते है तो हमे कम-से-कम डाक्यूमेंट्स जमा करके ही तुरंत लोन दे दिया जाता है। कुछ समय बाद लोन कंपनी मन-चाहा ब्याज दर जोड़ कर आपसे जबरन पैसा वसूली करने की कोशिश करती है, जब आप समय से पैसा देने में असमर्थ हो जाते है, तो आपके फ़ोन का निजी डाटा/फोटो/वीडियो/ हैक करके आपको ब्लैक मेल करने का भी प्रयास किया जाता है। ऐसी घटनायें हमे अक्सर अपने अख़बार और टीवी में देखने को मिलता रहता हैं।

कुछ बातो का विशेष विशेष ध्यान रख कर हम लोन स्कैम से बच सकते हैं -

1. हमेशा लोन आधिकारिक कंपनी से ही ले, गूगल सर्च से ढूँढा गया लोन कंपनी के अस्तित्व (EXISTENCE) का प्रमाणिकता जरूर जांच ले।
2. कंपनी से लोन ले चुके पुराने कस्टमर का फीडबैक और रिव्यु जरूर देखे।
3. कम ब्याज दर देने वाली कंपनी के बहकावे में आकर लोन लेने की जल्दबाजी न करे अन्यथा आपके जमा किये गए निजी विवरण के दुरूपयोग फ्रॉड लोन लेने में हो सकता हैं।

जानकार बने, सतर्क रहें।

4 Searching For Online Fraud Complaint

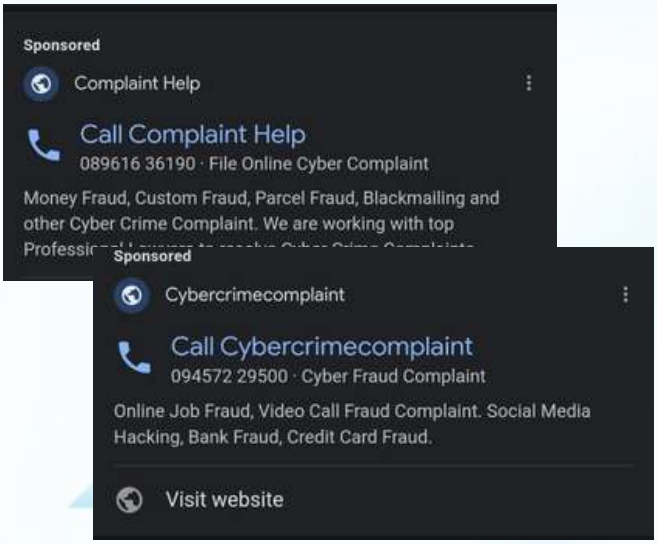

जब हमारे साथ किसी भी प्रकार का फ्रॉड होता है तो हम अक्सर **Google** पर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए वेबसाइट/ हेल्पलाइन नंबर ढूँढ़ते ह पर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए वेबसाइट/ हेल्पलाइन नंबर ढूँढ़ते हैं।

Google सर्च द्वारा बताये गए पहले टॉप 4 रिजल्ट्स पर अक्सर स्कैमर्स द्वारा बनाया गया फ्रॉड वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर (विज्ञापन (Sponsored) के माध्यम से) शीर्ष परिणाम पर दिखाए जाते हैं जिसे हम बिना जांच पड़ताल किये, दिए गए नंबर पर कॉल कर देते है, और बाद में हम ठगी के शिकार हो जाते हैं।

ऑनलाइन/साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए www.cybercrime.gov.in पर जाये या 1930 हेल्पलाइन नंबर (24*7) पर कॉल करके शिकायत दर्ज करे ।

HELPFUL TIPS

- हमने ऊपर सिर्फ चार प्रकार के उदहारण समझाने के लिए बताया हैं, ऐसे और भी कई सर्विसेज या हेल्पलाइन नंबर को अक्सर हम गूगल पर सर्च करते हैं तो सही जानकारी के अभाव (सही और फ्रॉड में अंतर करना) होने से हम स्कैमर के जाल में फ़स कर ठगी का शिकार हो जाते हैं।
- हमेशा ध्यान रखे की जब भी **गूगल सर्च से कोई भी जानकारी ढूंढे तो विज्ञापन (Sponsored) के माध्यम से दिखाई गयी वेबसाइट लिंक और हेल्प लाइन नंबर पर क्लिक करने से बचे।**
- जिस भी **वेबसाइट लिंक पर Sponsored नहीं लिखा** हो उसी वेबसाइट से ही जाकर जानकारी इकट्ठा करे, लेकिन इकट्ठी की गयी जानकारी की प्रमाणिकता को भी एक बार जरूर जांच ले।
- हमेशा **कस्टमर केयर हेल्प लाइन नंबर की जानकारी उस कंपनी के आधिकारिक वेबसाइट** से ही ढूंढे।
- कस्टमर केयर कभी भी आपसे आपके **निजी बैंक डिटेल्स जैसे कार्ड डिटेल्स, CVV और OTP नहीं मांगता हैं**, और किसी भी लिंक पर क्लिक करने को नहीं कहता हैं। अगर आपसे ऐसा कोई करने को कहे तो तुरंत सतर्क हो जाये।

जानकार बने, सतर्क रहें।

ठगी को अंजाम देने के तीन प्रमुख चरण

1 **साइबर स्कैमर्स अपने जालसाजी नंबर या फेक वेबसाइट को गूगल सर्च में टॉप पर पहुंचाने के लिए SEO (Search Engine Optimisation) का इस्तेमाल करते हैं।**

SEO एक ऐसा प्रोसेस है जिससे हम अपने वेबसाइट / ब्लॉग के कंटेंट को optimize करके सर्च इंजन में टॉप पर ला सकते हैं ताकि हमें ज्यादा से ज्यादा visitors मिल सके।

2 **फेक वेबसाइट्स किसी भी प्रसिद्ध कंपनियों या बैंकों की वास्तविक वेबसाइट के समान दिखती हैं।**

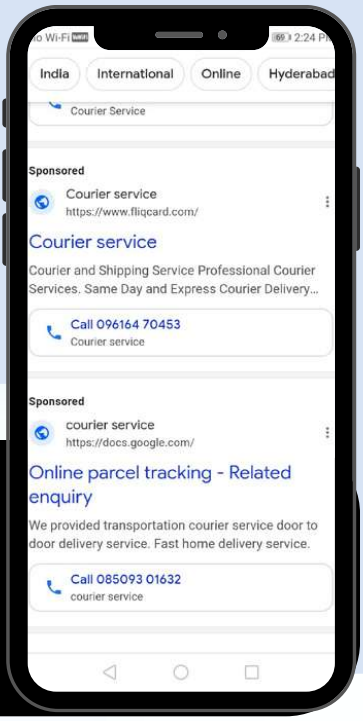

अब हम किसी कम्पनी के कस्टमर केयर का नंबर जैसे ही गूगल सर्च से ढूँढ़ते है, तो हमे वास्तविक कंपनी के डिटेल्स के अलावा शीर्ष (टॉप) पर परिणाम में स्कैमर द्वारा संचालित वेबसाइट भी दिखाई देती है। अक्सर स्कैमर्स अपने वेबसाइट को टॉप पर दिखाने के लिए विज्ञापन का इस्तेमाल करते हैं जैसा का स्क्रीन शॉट्स में दिखाया गया है।

हम अक्सर जल्दबाजी में गूगल सर्च पर परिणाम जो शीर्ष (टॉप) में दिखते हैं उसे बिना जांचे यकीन कर लेते हैं, और बताये गए दिशा-निर्देशों का पालन कर स्कैमर के जाल में फ़स जाते हैं।

3 **अक्सर हम इन फर्जी वेबसाइटों पर उपलब्ध जानकारी पर आंख मूँद कर भरोसा कर लेते हैं, और दिए गए हेल्पलाइन नंबरों से संपर्क कर अपने जीवन भर की कमाई को पल भर में गवां देते हैं।**

केस स्टडी-1

सच्ची घटना पर आधारित स्कैम

ये कहानी एक रिटायर्ड फौजी मेजर बी कुमार (नाम चेंज) की है जो डेबिट कार्ड रिसीव करने के लिए थर्ड पार्टी कुरियर डिलीवरी का फोन नम्बर गूगल पर सर्च करके ढूँढ़ते हैं और फिर कॉल करते है, उनके साथ ₹34,000 की ठगी हो जाता है। आइए समझते है कैसे ?

फोन पर वह व्यक्ति उसी कुरियर कंपनी से बात करने का दावा करता है।

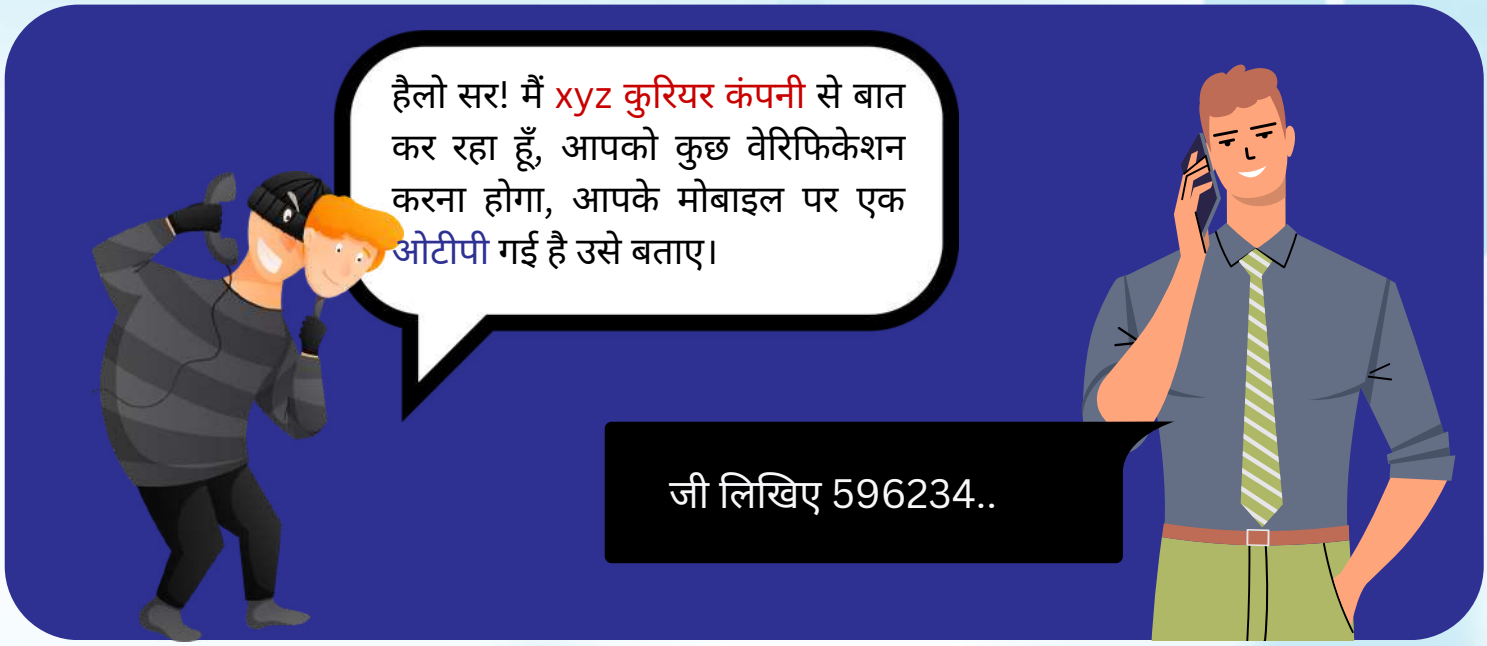

जैसे ही मेजर ओटीपी सांझा करते है, उनके फोन पर एसएमएस आता है।

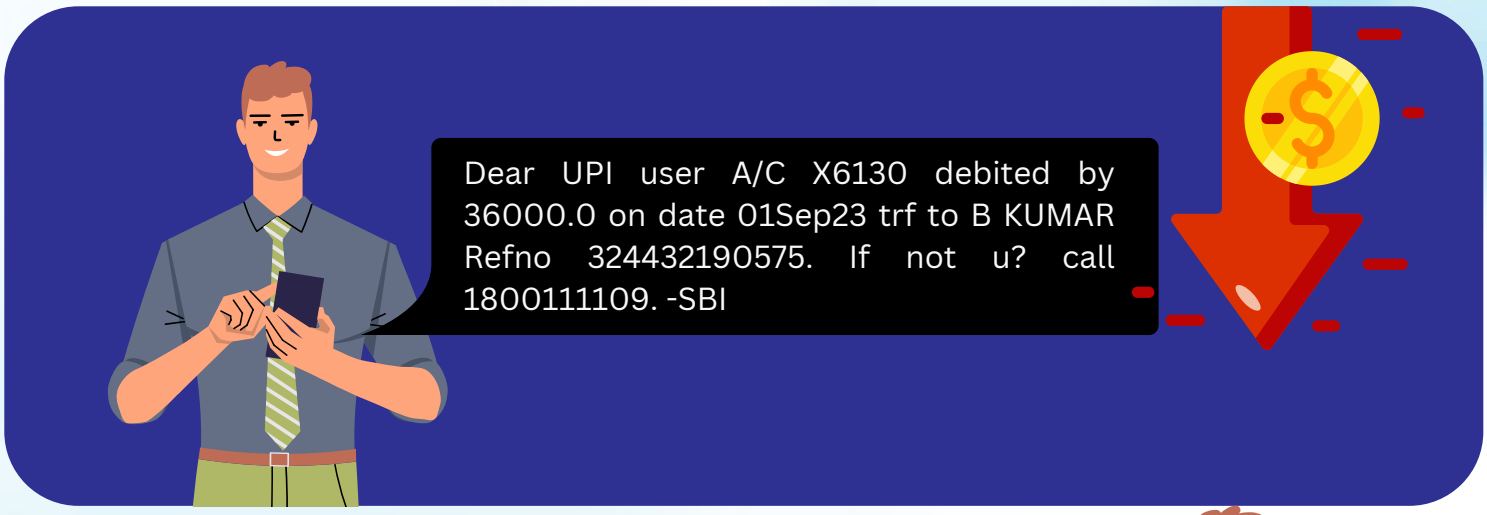

मेजर के अकाउंट से 36 हजार रुपए कट जाते है, वे तुरंत कूरियर वाले को फोन करते है परन्तु उसका कॉल स्विच ऑफ जा रहा होता है। अब वह समझ चुके होते है उन्होंने क्या गलती की ।

सावधान रहें, सतर्क रहें !

अतः भूलकर भी फोन पर किसी भी अज्ञात/ज्ञात व्यक्ति से ओटीपी सांझा न करे ।

केस स्टडी-2

सच्ची घटना पर आधारित स्कैम

ये घटना है मुंबई के एक नेवी सेलर की है जो पार्ट टाइम जॉब की तलाश कर रहा था और उसके साथ 8 लाख का फ्रॉड हो जाता है।

1 नेवी सेलर Google पर वर्क फ्रॉम होम सर्च करते है, बहुत सारे वर्क फ्रॉम होम जॉब के वेबसाइट के लिंक गूगल सर्च पर दिखते है। **सेलर सबसे टॉप वाले लिंक** पर पर क्लिक करता है।

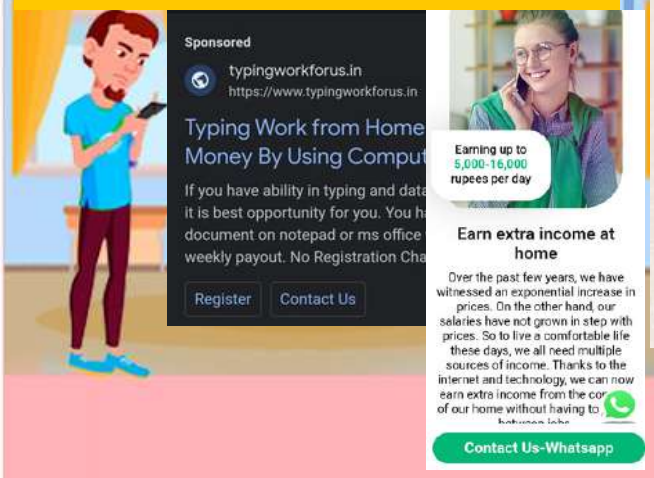

2 **पेज खुलते ही थोडा पढ़ने के बाद सेलर व्हाट्सएप के आइकॉन पर क्लिक करते ही व्हाट्सएप से चैट करने का ऑप्शन आता है, और एक व्यक्ति जनरल मैनेजर बताते हुए सेलर का स्वागत और वर्क फ्रॉम होम जॉब का जानकारी देता है ।**

3 जनरल मैनेजर सेलर को **रजिस्ट्रेशन फॉर्म शेयर** करता है जिसमे वो सेलर को अपनी निजी जानकारी भर कर फॉर्म सबमिट करने के लिए कहता है।

4 सेलर को सब कुछ सही सा लगता है, और वो सोचते है मैं इस जॉब से घर बैठे काफी पैसे कमा सकता हूँ।

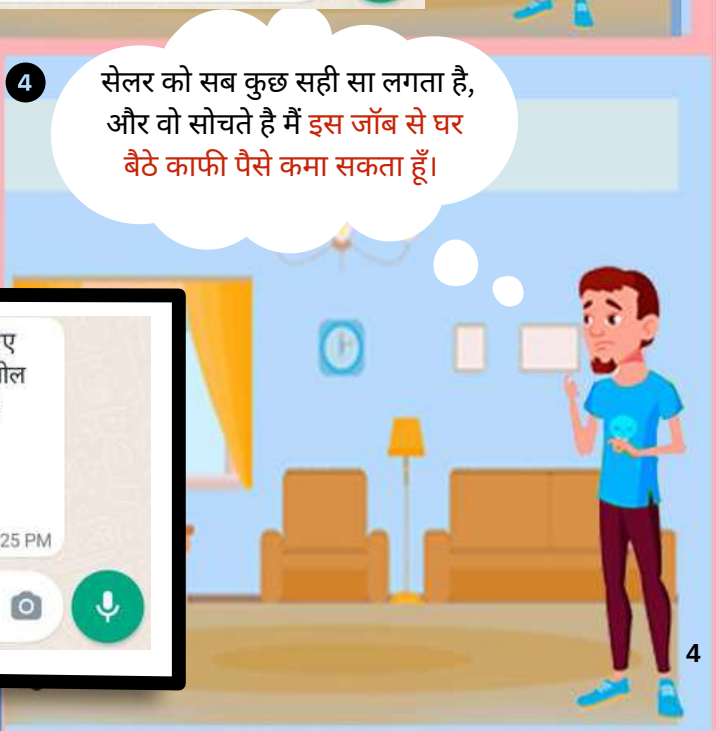

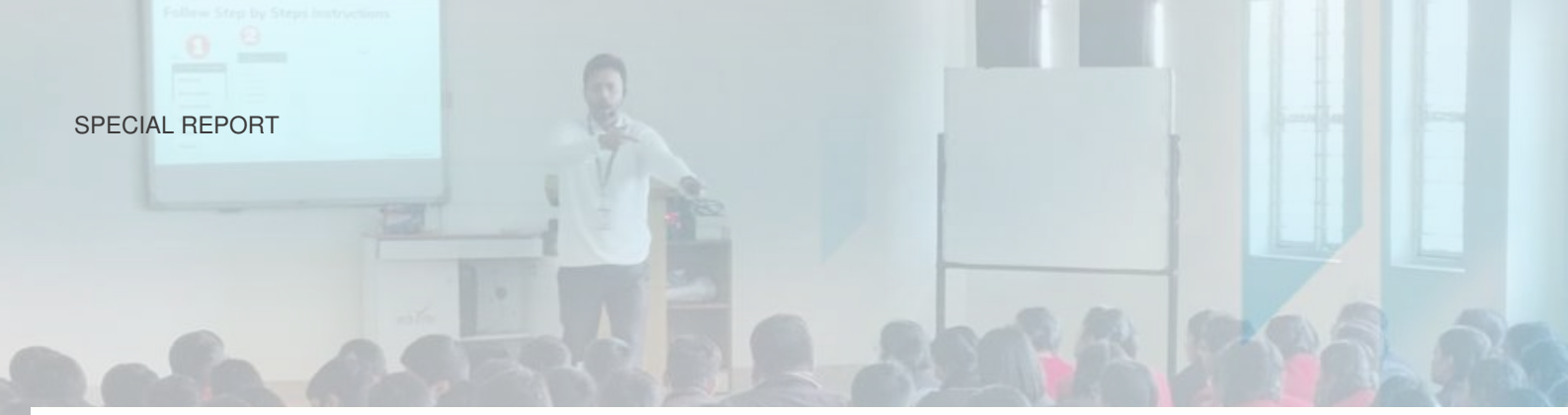

5 सेलर अपनी सारी जानकारी भर कर रजिस्ट्रेशन फॉर्म को सबमिट कर देता है।

नेवी सेलर ने उत्तर दिया :

6 मैने अपनी सारी जानकारी भर कर रजिस्ट्रेशन कर लिया है।

6

7 बहुत खूब सर, आपने घर बैठे कमाने का पहला चरण पूरा कर लिया है। ये रहा आपका यूजर आईडी और पासवर्ड।

अब मैं आपको अपने सीनियर एक्सक्यूटिव के पास ट्रांसफर कर रहा हूँ आगे की पूरी जानकारी वो टेलीग्राम पर देंगे। नीचे दिए गए टेलीग्राम के लिंक को क्लिक करे- https://t.me/lazadacompany

7

8 इसके बाद सेलर उस लिंक को क्लिक करके एक टेलीग्राम चैट पर पहुँच जाता है, और उस व्यक्ति को मैसेज करता है।

मैने अपना रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया है, और मुझे यूजर आईडी और पासवर्ड भी मिल गया है, अब आगे क्या करना है ?

9 अरे ये तो सच में हो रहा है, इसका मतलब ये एक सच्ची कंपनी है।

आपकी जॉब अब शुरू हो गई है, आप को नीचे दिए हुए लिंक से शॉपिंग मॉल का टास्क पुरा करना है । इसमें आपको ऑनलाइन खरीदारी करनी है, जिससे आपको बोनस प्वाइंट मिलेंगे, बाद में वो बोनस प्वाइंट आपके अकाउंट में पैसे के रूप में जमा कर दिए जाएंगे।

- इसके बाद सेलर ऐसे कई सारे टास्क को पूरा करता है। अपने पैसे से सामान खरीदता और उसके वर्चुअल अकाउंट में पॉइंट्स जुड़ते चले जाते।

- शुरुवात में कुछ समय के लिए बोनस वाले पैसे सेलर के अपने बैंक आकउंट में ट्रांसफर हो जा रहें थे, लेकिन एक समय के बाद अब बोनस पॉइंट्स के पैसे सेलर के अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर होना रूक गया, अब तक सेलर अपने **8 लाख रुपए खर्च कर** चुका होता है।

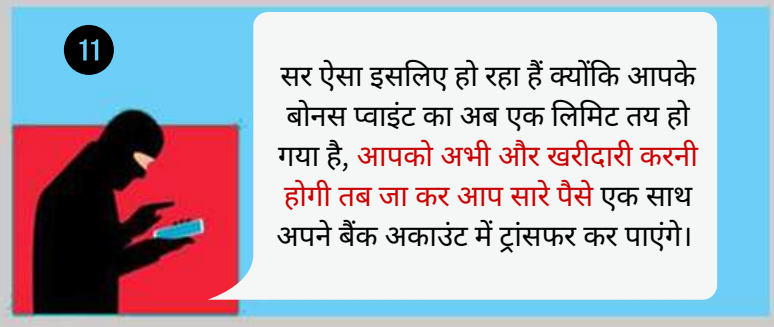

साइबर सुरक्षा टिप्स

गूगल पर सर्च के द्वारा प्राप्त परिणाम पर आंखमूंद कर भरोसा न करें।

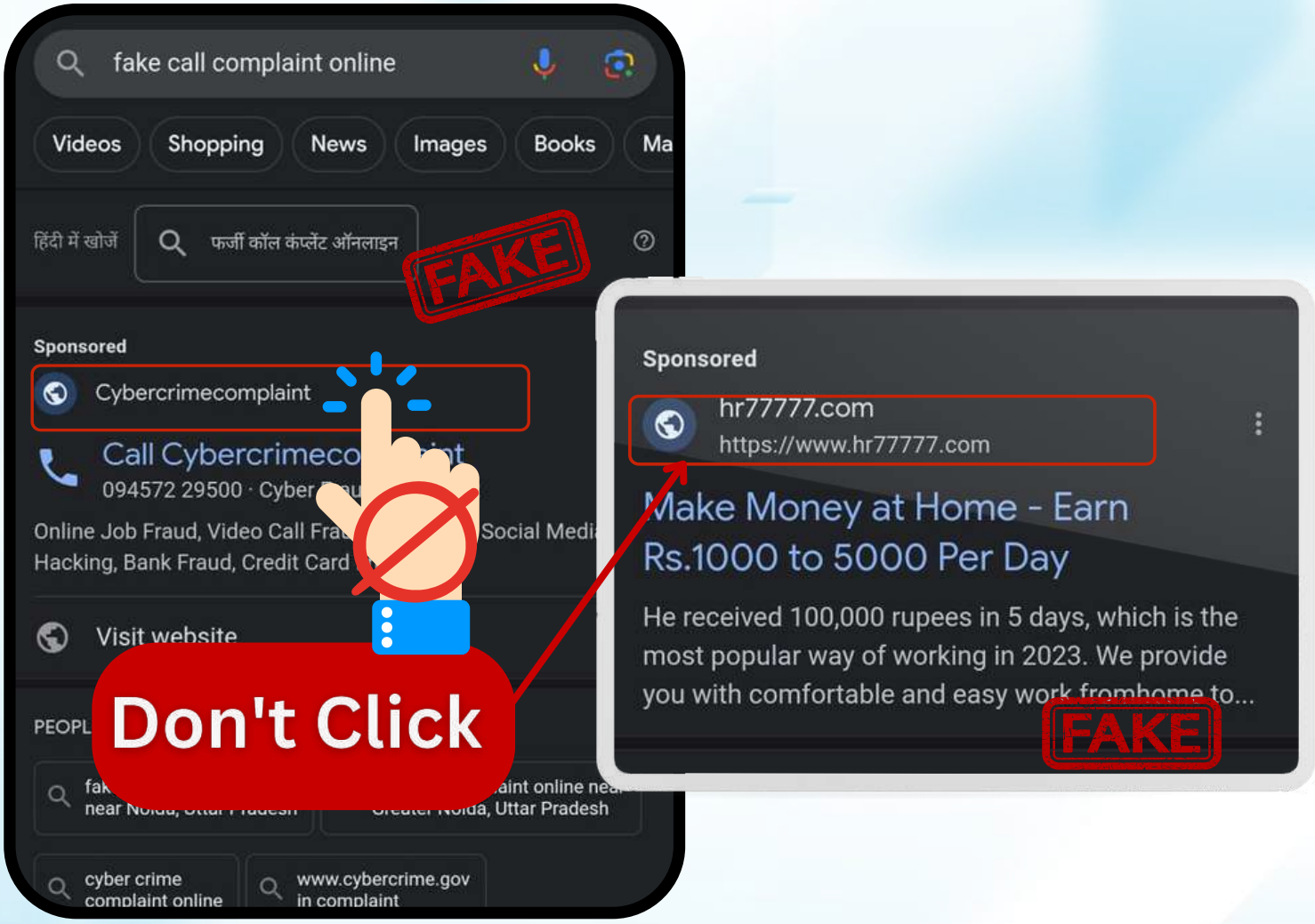

साइबर सुरक्षा टिप्स

गूगल पर किसी भी कंपनी/सरकारी संस्थाओं के कस्टमर केयर का नंबर न ढूंढे।

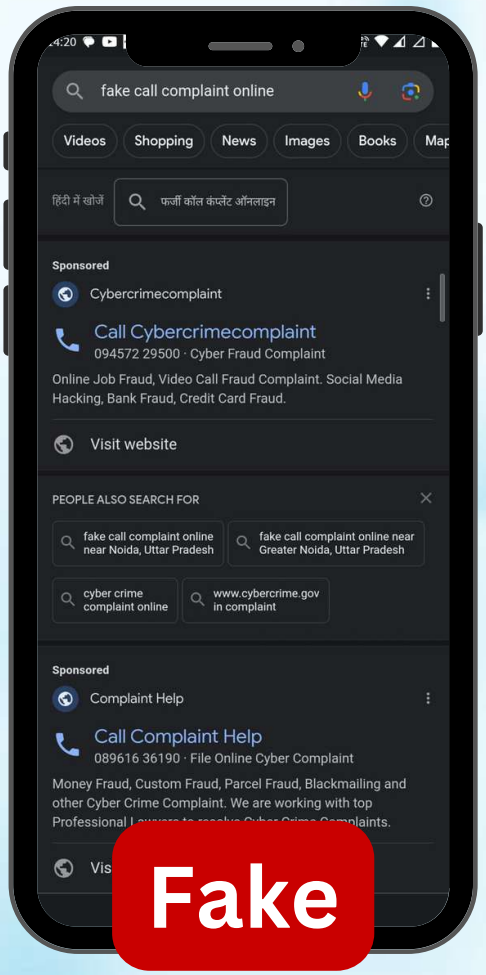

Fake

VS

Real

कस्टमर केयर का नंबर हमेशा कंपनी / सरकारी संस्थाओं के अधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें।

साइबर सुरक्षा टिप्स

Bank details जैसे OTP, CVV, customer ID, UPI Pin इत्यादि किसी भी व्यक्ति चाहे वो बैंक का कर्मचारी ही क्यों न हो, के साथ साझा न करें।

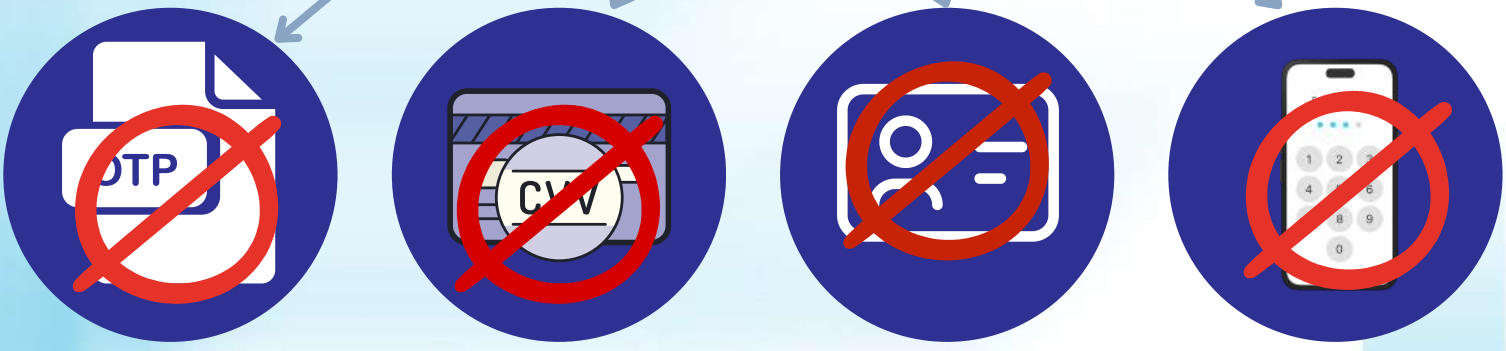

साइबर सुरक्षा टिप्स

किसी भी लिंक अथवा किसी व्यक्ति के कहने मात्र से कोई भी application download ना करें

Don't download these apps

ApowerMirror

AnyDesk

TeamViewer

Baixar RemoDroid APK

इस तरह के एप्लीकेशन से आपके मोबाइल का पूरा ब्यौरा किसी अन्य के हाथ में चला जाता है, चाहे वो मोबाइल में रखी प्राइवेट फोटो हो या कोई व्यक्तिगत जानकारी।

किसी भी ऐप को डाउनलोड करने के लिए हमेशा ट्रस्टेड सोर्स- Google Play Store या Apple App Store या ऑथेंटिक वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें।

साइबर सुरक्षा टिप्स

यदि कोई भी संदेश आपको प्राप्त हो जो आवश्यक भी लगे परंतु संदेहजनक भी तो आप कॉलकम से संपर्क कर उसकी जानकारी ले सकते है।

आपको यहाँ से अपने शंकाओं का समाधान मिल सकता है, और साथ ही आप हमारे साथ मिलकर लोगो को सशक्त और जागरूक बनाने के लिए भी वालंटियर या इंटर्न बनकर काम कर सकते है।

Join us as a **Volunteer** or **Intern**,
Type **Join** and send it on **WhatsApp**

+91-9868189955

निःशुल्क ऑनलाइन साइबर प्रशिक्षण

- आजकल इसी प्रकार से अनेकों साइबर अपराध तेजी से प्रसारित हो रहे, जिसे देखते हुए हमने आपके लिए बिल्कुल फ्री में साइबर प्रशिक्षण महा-अभियान चलाया है जिसमे आप ऐसे साइबर अपराध से बचने के तरीको के बारे में सीख पाएंगे।

- साथ ही एक आकर्षक सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा।

यदि आपने अभी तक इस प्रशिक्षण में भाग नही लिया तो एक बार अवश्य ले।

- हिंदी में साइबर प्रशिक्षण- https://forms.gle/AJajaozGwTjLPExC7

- Cyber Training in English- https://forms.gle/8LyAQPWPucn8LHir8

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

यदि आप इस तरह के फ्रॉड के शिकार हो जाते है तो तुरंत ही आप सभी chat, भेजे गए डॉक्यूमेंट, और भेजे गए पैसों के स्क्रीन शॉट के साथ www.cybercrime.gov.in or 1930 पर संपर्क कर घर बैठे-बैठे अपनी शिकायत दर्ज करे । ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिए आपको साइबर पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं होती है।

शिकायत दर्ज करने के लिए यहां क्लिक करे और आगे के चरण का अनुसरण कर अपनी शिकायत दर्ज करे।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

आप अपने शहर के **नजदीकी साइबर सेल** में भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है ताकि आपको जल्द से जल्द समाधान मिल सके।

उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर थानों के मोबाइल नम्बर एवं ईमेल

CLICK HERE

Delhi District Cyber Cells CLICK HERE

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

संबंधित बैंक में जाकर/हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करे।
(नीचे कुछ बैंक के हेल्पलाइन नंबर दिए है।)

Union Bank - 1800222244

SBI- 1800 11 221

ICICI - 1860 120 777

HDFC - 1800 258 616

Axis - 1860 419 5555171

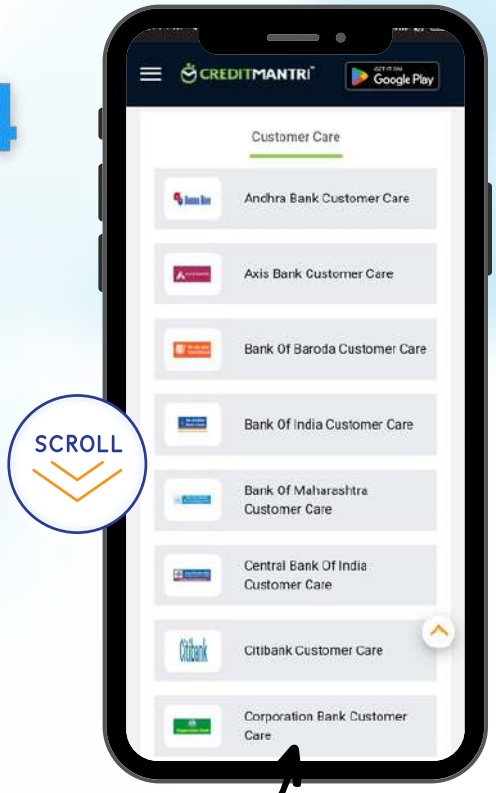

Some Other Banks CLICK HERE

ध्यान रहे ! हेल्पलाइन नंबर कभी गूगल पर सर्च न करे, संबंधित official website से ही प्राप्त करे।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

RBI कहता है..

फ्रॉड होने की स्थिति में अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। अधिक जानकारी के लिए 14440 पर मिस्ड कॉल दें।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

अगर आपके **बैंक खाते से किसी ने धोखे से पैसे** निकाले हैं तो इसकी सूचना तुरंत अपने बैंक को दें। जब आप बैंक को सूचित करते हैं, तो अपने बैंक से **पावती (acknowledgement)** लेना याद रखें।

यदि लेन-देन आपकी लापरवाही के कारण हुआ है, यानी आपके द्वारा अपना पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि साझा करने के कारण, आपको तब तक नुकसान उठाना पड़ेगा जब तक आप अपने बैंक को इसकी सूचना नहीं देते।

यदि आपके द्वारा बैंक को सूचित करने के बाद भी कपटपूर्ण लेन-देन जारी रहता है, तो आपके **बैंक को उन राशियों की प्रतिपूर्ति करनी होगी।**

यदि आप रिपोर्टिंग में देरी करते हैं, तो आपका घाटा बढ़ जाएगा और यह **आरबीआई के दिशानिर्देशों और आपके बैंक के बोर्ड द्वारा** अनुमोदित राशि **नीति के आधार पर तय किया जाएगा।**

बैंक को आपकी शिकायत प्राप्ति की तारीख से **90 दिनों के भीतर सुलझानी** होती है, अगर **समाधान न होने पर या संतोष जनक जवाब न मिलने पर** शिकायतकर्ता बैंक की **शिकायत बैंक के ओम्बड्समैन** को भी कर सकता है। इसकी जानकारी आप यहाँ से (RBI) ले सकते है।
https://rbi.org.in/scripts/FAQView.aspx?Id=24

collcom
Empowering Youth through Community Service

सावधान रहें सुरक्षित रहे!

अपने मित्रों व रिश्तेदारों के साथ इस मैगज़ीन को शेयर जरूर करे |

हमसे लगातार साइबर अपडेट्स पाने के लिए इस QR कोड को स्कैन कर, और हमारे आधिकारिक चैनल/ग्रुप को सब्सक्राइब करे।

SUBSCRIBE

WhatsApp Telegram

Click to Check Out some interesting video on YouTube

https://www.youtube.com/@collcom

For volunteering, Type **Join** and Send it on **WhatsApp +91-9868189955**

संस्थापक के बारे में

DR GAURAV KUMAR

(Founder and Director of CollCom, Asst Prof at Bennett University, Greater Noida)

डॉ गौरव वर्तमान में बेनेट विश्वविद्यालय (टाइम्स ग्रुप), ग्रेटर नॉएडा, उत्तर प्रदेश में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं । वह एक सामाजिक उद्यमी और CollCom (कॉलेज कम्युनिटी सोशल वेंचर) के संस्थापक और राष्ट्रीय सेवा योजना बेनेट विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी भी है। डॉ कुमार हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक और पीएचडी पूरी की है। अपनी शिक्षा के दौरान, वह सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे जैसे स्लम बस्ती में बच्चों को पढ़ाना, Waste मैनेजमेंट, वृक्षारोपण अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य, योग और फिटनेस के लिए सभी को जागरूक करना जैसे विषय पर काफी काम किया है ।

उनके इस अथक प्रयास के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक पुरस्कार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी (बेस्ट वालंटियर अवार्ड) का पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। कोविड के समय में डॉ कुमार शांत नहीं बैठे । उन्होंने प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए लोगों की मदद करने का काम शुरू किया। उन्होंने देखा की हर व्यक्ति, बच्चे से लेकर बूढ़े तक, सभी लोग अपने दैनिक कार्य करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे है। जल्द ही, उन्हें इंटरनेट की दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के बारे में जागरूकता की कमी के महत्व का एहसास हुआ। उन्होंने साइबर अपराध जागरूकता पर एक मेगा अभियान शुरू किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन) का दौरा करना शुरू किया और साइबर अपराध जागरूकता पर 35 से अधिक कार्यशालाएँ की । उन्होंने एक छोटा और बहुत ही अभिनव ऑनलाइन सेल्फ गाइड साइबर क्राइम अवेयरनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें अभी तक 52,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए ।

उनका लक्ष्य अगले दो वर्षों में हमारे देश के 10 लाख लोगों को इंटरनेट की दुनिया में सशक्त बनाना है।

संपादक के संदेश..

MR. PRITESH MISHRA

(National Coordinator, CollCom)

किसी व्यक्ति के साथ फ्रॉड होने का अर्थ ये कदापि नहीं है की वो शिक्षित नहीं है, केवल सीधा सा अर्थ है वो उस बात से अनभिज्ञ/जागरूक नही था । अत: फ्रॉड होने के स्थिति में आप सबसे पहले ज़रा भी न घबराए, परिवार वाले डाटेंगे या मित्र क्या कहेंगे ? ये कदापि न सोचे या कोई भी गलत फैसला न ले, समय रहते यदि आप शिकायत दर्ज करवा देते है तो आपके पैसे मिलने के अवसर बढ़ जाते है ।

अब तो RBI के दिशा निर्देश के अनुसार आप फ्रॉड होने के तुरंत बाद यदि अपने संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज कराते है तो वो 90 दिन के भीतर ही आपकी समस्या सुलझाने का प्रयास करते है। परंतु आप को यहां तक पहुंचने की आवश्यकता ही क्या है, बस थोड़ी सी सावधानी के साथ आप अपने और अपने से संबंधित लोगों को साइबर अपराध से बचा सकते हैं ।

एक फ्रॉडस्टर आपसे OTP और pin को निकलवाने के विभिन्न तरीके अपनाता है, आप देखेंगे कि अंततोगत्वा वो आपसे पैसे की मांग करते है, चाहे वो रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में हो या कंपनी से जुड़ने के आईडी कार्ड बनानी हो, बस आपको यही समझना है की किसी भी नौकरी से जुड़ने के लिए किसी भी प्रकार से पैसे देने की आवश्यकता नहीं होती है ।

समय-समय पर आपको साइबर से संबंधित जानकारी हम अपने ऑफिशियल वेबसाइट/ सोशल मीडिया/यूट्यूब वीडियो के माध्यम से साझा करते रहेगें ।

जागरूक रहें, सुरक्षित रहें !

सलाहकार सदस्य

Dr Anil Kumar Singh
(Asst. Professor, Jawaharlal Nehru University)

Shri Anshumali Sharma
(Ex-State Liaison Officer (SLO) NSS, Uttar Pradesh)

Dr. Sanjeev Sharma
(Associate Professor, JNU, New Delhi)

Shri Gautam Kumar
(Executive Engineer, WRD, Govt of Bihar)

Shri Amrish Kumar Niranjan
(Youth Assistant, NSS, Delhi)

Shri Sintoo Kumar
(TGT Teacher, Govt of Delhi)

Shri OP Mishra
(Entrepreneur and Director of Jetex Infotech)

Shri Ranjan Kumar
(Senior Product Manager, Microsoft)

कार्यकारी सदस्य

Dr Gaurav Kumar
(Founder and Director, CollCom)

Mr Priteesh Kumar
(Asst. Director-Collaboration, CollCom)

Shri Satya Mishra
(Asst. Director-Marketing, CollCom)

Mr Pritesh Mishra
(National Coordinator, CollCom)

Mr Sumit Kumar
(State Coordinator, CollCom)

Ms Shweta Kumari
(Social Media Head, CollCom)

WWW.COLLCOM.ORG

मैगज़ीन के पिछले संस्करण

Aug,2023

July,2023

June,2023

May,2023

April,2023

March,2023

FEB,2023

JAN,2023

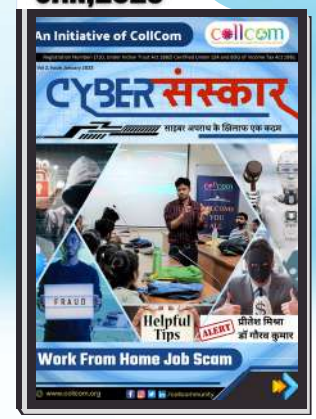

DEC,2022

किसी भी मैगजीन को पढ़ने के लिए उस मैगजीन पर क्लिक करे।

पढ़ने के बाद अपना सुझाव अवश्य दे।

https://g.page/r/CZmEUz-HXMeOEAI/review